

थियारोये नरसंहार (सेनेगल)

चर्चा में क्यों? (Why in News)

सेनेगल की राजधानी डकार के पास स्थित थियारोये सैन्य कब्रिस्तान में चल रही पुरातात्विक खुदाई के दौरान 1944 के थियारोये नरसंहार से जुड़े नए सबूत मिले हैं। इस घटना में फ्रांसीसी औपनिवेशिक सैनिकों ने उन सैकड़ों पश्चिम अफ्रीकी सैनिकों को मार डाला था, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस के लिए लड़ाई लड़ी थी। ये नए निष्कर्ष फ्रांसीसी-अफ्रीकी इतिहास के सबसे दबे हुए औपनिवेशिक अत्याचारों में से एक की सच्चाई को उजागर कर रहे हैं।

पृष्ठभूमि (Background)

- नवंबर 1944 में लगभग 1,600 पश्चिम अफ्रीकी राइफलमैन — जिन्हें तिराइलर्स सेनेगलिस (Tirailleurs Sénégalais) कहा जाता था — जर्मन कैद से लौटने के बाद डकार के पास स्थित थियारोये शिविर में रोके गए।
- इन सैनिकों ने अपने साथ हुए नस्लीय भेदभाव और अवैतनिक मजदूरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।
- 1 दिसंबर 1944 को फ्रांसीसी औपनिवेशिक बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियाँ चला दीं, जिससे बड़ी संख्या में सैनिक मारे गए।



हालिया उत्खनन के निष्कर्ष (Findings of Recent Excavations – 2025)

- पुरातत्वविदों ने थियारोये कब्रिस्तान में 34 खोदी गई कब्रों में से 7 कंकाल खोजे हैं।
- हिंसा के प्रमाण:**
 - एक कंकाल की पसलियों में गोली फँसी मिली।
 - कुछ कंकालों में खोपड़ी और रीढ़ की हड्डी अनुपस्थित थीं।
 - कुछ अवशेषों के पैरों में लोहे की जंजीरें मिलीं।

इन साक्ष्यों से स्पष्ट होता है कि पीड़ितों की मौत युद्ध में नहीं, बल्कि यातना और फाँसी जैसे अमानवीय व्यवहार के कारण हुई।

ऐसा भी प्रतीत होता है कि इन सामूहिक हत्याओं को छिपाने के लिए बाद में कब्रों को दोबारा बनाया गया था। वर्तमान में डीएनए नमूना परीक्षण और बैलिस्टिक (गोली-विश्लेषण) जांच जारी है, और आगे की गहराई से जाँच के लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (GPR) का प्रयोग किया जा रहा है।

आधिकारिक रिपोर्टें और प्रतिक्रियाएँ (Official Reports & Reactions)

- अक्टूबर 2025 में सेनेगल के शोधकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में इस नरसंहार को “पूर्व-नियोजित और छिपाया गया” (Premeditated and Covered Up) बताया गया।

- अनुमानित मृतकों की संख्या 300 से 400 के बीच बताई गई है — जो कि फ्रांसीसी औपनिवेशिक रिकॉर्ड में दर्ज 70 के आधिकारिक आँकड़े से कहीं अधिक है।
- राष्ट्रपति बरसीरू डियोमे फेये ने संदिग्ध सामूहिक कब्र स्थलों पर खुदाई जारी रखने की अनुमति दी है।
- नवंबर 2024 में, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने इस घटना को फ्रांसीसी औपनिवेशिक सेनाओं द्वारा किया गया "नरसंहार" के रूप में सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया।

महत्व (Significance)

- यह खोज औपनिवेशिक काल के इतिहास में सच्चाई और जवाबदेही की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।
- यह उन अफ्रीकी सैनिकों के साथ हुए नस्लीय अन्याय को उजागर करती है जिन्होंने फ्रांस के लिए युद्ध में बलिदान दिया।
- चल रही थियारोये खुदाई इन भूले-बिसरे सैनिकों को गरिमा, पहचान और ऐतिहासिक न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो रही है।

यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. थियारोये नरसंहार के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह नरसंहार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुआ था जब फ्रांस की सेवा कर रहे पश्चिम अफ्रीकी सैनिकों ने असमान व्यवहार के विरुद्ध विद्रोह कर दिया था।
2. यह घटना सेनेगल की वर्तमान राजधानी डकार के पास हुई थी।
3. हालिया पुरातात्विक निष्कर्ष फ्रांसीसी औपनिवेशिक ताकतों द्वारा मारे गए अफ्रीकी सैनिकों की सामूहिक कब्रों की जाँच के लिए किए गए थे।

उपर्युक्त में से कौन से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या:

- थियारोये नरसंहार 1 दिसंबर 1944 को द्वितीय विश्व युद्ध के अंत के बाद सेनेगल के डकार

के पास हुआ था → (कथन 1 और 2 सही)

- इसमें पश्चिम अफ्रीकी राइफलमैन (Tirailleurs Sénégalais) शामिल थे जिन्होंने भेदभाव और अवैतनिक वेतन के विरोध में प्रदर्शन किया था।
- थियारोये कब्रिस्तान में हालिया पुरातात्विक खुदाई का उद्देश्य पीड़ितों की पहचान और औपनिवेशिक हत्याओं की ऐतिहासिक सच्चाई को उजागर करना है। → (कथन 3 सही)



प्रश्न 2. हाल ही में खबरों में रहा थियारोये सैन्य कब्रिस्तान निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

- (a) 1994 रवांडा नरसंहार के पीड़ितों का दफन स्थल
- (b) द्वितीय विश्व युद्ध में फ्रांसीसी औपनिवेशिक शासन के तहत लड़े और मारे गए अफ्रीकी सैनिक
- (c) ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ सेनेगल के स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित एक स्मारक
- (d) प्राचीन पश्चिम अफ्रीकी साम्राज्यों से जुड़ा एक यूनेस्को विश्व विरासत स्थल

उत्तर: (b) द्वितीय विश्व युद्ध में फ्रांसीसी औपनिवेशिक शासन के तहत लड़े और मारे गए अफ्रीकी सैनिक

व्याख्या:

- थियारोये सैन्य कब्रिस्तान सेनेगल के डकार के पास स्थित है और इसे 1926 में फ्रांसीसी औपनिवेशिक प्रशासन ने अफ्रीकी सैनिकों के दफन के लिए बनाया था।
- हालिया पुरातात्विक खुदाई में 1944 के थियारोये नरसंहार के दौरान मारे गए पश्चिम अफ्रीकी सैनिकों के अवशेषों और सामूहिक कब्रों का पता चला है।

प्रश्न 3. (मानचित्र-आधारित प्रश्न)

पुरातात्विक उत्खनन के कारण हाल ही में खबरों में रहा थियारोये शिविर निम्नलिखित में से किस भौगोलिक विशेषता के पास स्थित है?

- (a) नाइजर नदी
- (b) चाड झील
- (c) अटलांटिक महासागर
- (d) गिनी की खाड़ी

उत्तर: (c) अटलांटिक महासागर

व्याख्या:

- थियारोये शिविर सेनेगल की राजधानी डकार के बाहरी इलाके में स्थित है।
- यह पश्चिम अफ्रीका के अटलांटिक तट पर स्थित क्षेत्र है।
- इस भौगोलिक स्थिति के कारण यह क्षेत्र फ्रांसीसी औपनिवेशिक काल में एक महत्वपूर्ण सैन्य एवं व्यापारिक केंद्र बना।



@resultmitra



www.resultmitra.com

सेनेगल (मानचित्र सहित जानकारी)

स्थान और भूगोल (Location & Geography)

- **महाद्वीप:** पश्चिम अफ्रीका
- **अक्षांश एवं देशांतर:** लगभग 12°N से 16°N तथा 11°W से 17°W के बीच स्थित है।
- **तटरेखा:** पश्चिम दिशा में अटलांटिक महासागर के किनारे फैला हुआ देश।
- **राजधानी:** डकार (Dakar) — यह केप वर्डे प्रायद्वीप (Cape Verde Peninsula) पर स्थित है और मुख्य भूमि अफ्रीका का सबसे पश्चिमी बिंदु है।



सीमावर्ती देश (Bordering Countries)

सेनेगल पाँच देशों के साथ भूमि सीमाएँ साझा करता है —

1. **मॉरिटानिया** – उत्तर में, सेनेगल नदी के पार
2. **माली** – पूर्व दिशा में
3. **गिनी** – दक्षिण-पूर्व दिशा में
4. **गिनी-बिसाऊ** – दक्षिण-पश्चिम दिशा में
5. **गाम्बिया** – एक अंतःक्षेत्र (enclave) देश है, जो अटलांटिक महासागर से अंदर की ओर फैला हुआ है और सेनेगल को लगभग दो भागों में बाँट देता है



IAS-PCS Institute

प्रमुख नदियाँ एवं स्थल (Major Rivers and Landmarks)

- **सेनेगल नदी (Senegal River):** यह देश की **जीवनरेखा** मानी जाती है और मॉरिटानिया के साथ उत्तरी सीमा बनाती है।
- **गाम्बिया नदी (Gambia River):** गाम्बिया और दक्षिणी सेनेगल के कुछ भागों से होकर बहती है।
- **कासामेंस नदी (Casamance River):** दक्षिणी क्षेत्र से प्रवाहित होती है — यह इलाका अपनी उपजाऊ भूमि और चावल की खेती के लिए प्रसिद्ध है।
- **सबसे ऊँचा बिंदु:** नेपेन दियाखा (Nepen Diakhha) — ऊँचाई लगभग 581 मीटर, जो गिनी सीमा के पास फौटा जालोन की तलहटी में स्थित है।
- **फौटा जालोन हाइलैंड्स (Guinea):** यद्यपि इसका अधिकांश भाग सेनेगल के बाहर है, यह क्षेत्र पारिस्थितिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि सेनेगल और गाम्बिया नदियों का उद्गम स्थल यहीं है।
- **नियोकोलो-कोबा राष्ट्रीय उद्यान (Niokolo-Koba National Park):** दक्षिण-पूर्व सेनेगल में स्थित यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सवाना, वनों और लुप्तप्राय प्रजातियों — जैसे पश्चिम अफ्रीकी शेर — का घर है।

रिजल्ट का साथी

पहल और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य (Initiatives and History)

- **पर्यावरणीय पहल:** सेनेगल साहेल क्षेत्र में मरुस्थलीकरण का मुकाबला करने के लिए “ग्रेट ग्रीन वॉल” पहल का सक्रिय सदस्य है।
- **उकार बंदरगाह:** यह पश्चिम अफ्रीका का एक प्रमुख समुद्री व्यापारिक और क्षेत्रीय केंद्र है।
- **इतिहास:** सेनेगल पूर्व फ्रांसीसी उपनिवेश था। इसे 1960 में स्वतंत्रता मिली, और स्वतंत्र सेनेगल के पहले राष्ट्रपति लियोपोल्ड सेडार सेनघोर थे।

